एक नजर में

कसरावद की सूफी कॉलोनी में लगा अंगूर का अनोखा पौधा

कसरावद, निप्र। सूफी कॉलोनी निवासी एजाज खान के घर लगे एक विशेष अंगूर के पौधे ने क्षेत्र में चर्चा बटोरी है। एजाज खान ने यह पौधा लगभग एक साल पहले अपने मकान पर लगाया था। पौधे की खास बात यह है कि यह पूरे 12 महीनों में लगातार अंगूर देता है शुरुआत में इस पर हरे रंग के अंगूर खिलते हैं, और पकने पर धीरे-धीरे काले हो जाते हैं। स्वाद में ये अंगूर बेहद मीठे और ताज़गीभरे हैं। स्थानीय लोगों में इस पौधे की काफी चर्चा है, क्योंकि आमतौर पर अंगूर की बेलें साल में एक ही मौसम में फल देती हैं, लेकिन यह पौधा सालभर फल देने की क्षमता रखता है।

श्री अलकेश्वर महादेव मंदिर का भव्य भूमिपूजन हुआ

बड़वाह, निप्र। माँ नर्मदा जी की अनुपम कृपा एवं भोलेनाथ के दिव्य आशीर्वाद से, साथ ही अल्कापुरी क्षेत्र के सभी शिवभक्तों के अथक प्रयासों से, वर्षों से संजोया गया शिव मंदिर निर्माण का पावन स्वप्न अब साकार होने की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में, दिनांक 06 दिसंबर 2025, शनिवार प्रात: 11 बजे अल्कापुरी गार्डन में श्री 'अलकेश्वर महादेव जी' मंदिर के भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहपरिवार उपस्थित होकर इस पावन क्षण के साक्षी बनकर अपने जीवन को धन्य किया।

वातावरण हर-हर महादेव, नर्मदे हर और भजन-कीर्तन की गूंज से भक्तिमय हो गया। यह ऐतिहासिक क्षण न केवल अल्कापुरी के लिए बल्कि समस्त शिवभक्तों के लिए गर्व और आस्था का क्षण है, जो आने वाले समय में धार्मिक और सामाजिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कॉलेज चलो अभियान

भीकनगांव, निप्र। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जननायक टंट्या मामा शासकीय महाविद्यालय भीकनगांव में सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए "कॉलेज चलो अभियान" महाविद्यालय के प्राचार्य लक्ष्मण डावर के मार्गदर्शन में आज दिनांक 06.12.2025 को शासकीय बालक उत्कृष्ट उ.मा.वि. भीकनगांव में विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति 2020 के तहत महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, संचालित पाठ्यक्रम एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रो. दीपक बडोले ने स्कूल के बच्चो को भविष्य में कॅरियर निर्माण हेतु विषयों के चयन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रो. यजुवेन्द्रसिंह ने बच्चों को महाविद्यालय में प्रवेश से पुर्व महाविद्यालय में उपस्थित होकर हेल्प डेस्क के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया के संबंध मे जानकारी लेने के लिए आग्रह किया। जिसमें स्कूल प्राचार्य श्री मनोज श्रीवास एवं स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

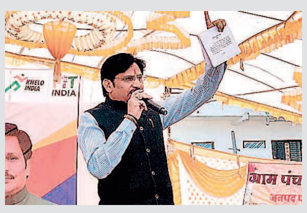

समारोहपूर्वक मना 63वां होमगार्ड स्थापना दिवस

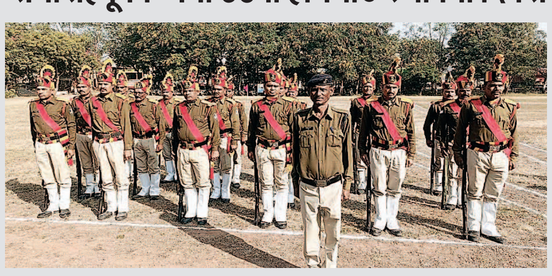

खरगोन, निप्र। 63 वॉ होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस शनिवार को उमरखली रोड़ स्थित होमगार्ड लाईन में समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी डावर ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा महा निर्देशक आपदा प्रबंधन भोपाल के द्वारा भेजे गये संदेशों का वाचन किया। श्रीमती सोलंकी ने कहा कि पुलिस के साथ होमगार्ड जवान भी कंधे से कंधा मिला कर कानून व्यवस्था बनाने, किसी भी प्रकार की आपदा एवं आंतरिक सुरक्षा में कठिन परिस्थितियों में पूर्ण सक्षमता से कर्तव्यों को पूरा करते है। होमगार्ड विभाग के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों/स्वयंसेवियों को 63 वॉ स्थापना दिवस की बधाई दी। इस दौरान आपदा प्रबंधन उपकरणों की लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रयासों को सराहा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्लाटून कमाण्डर होमगार्ड शिवप्रसाद उईके ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आगमन पर प्लाटून कमाण्डर द्वारा सलामी दी गई। आभार प्रवीण डावर ने माना।

जिला कांग्रेस कार्यालय में बाबा साहब को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

खरगोन, निप्र। 6 दिसंबर को संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर जिला कांग्रेस कार्यालय में उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस कार्यालय पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने उन्हें याद करते हुए कहा कि जब देश आजाद हुआ था, तब देश हर तरफ से परेशानियों से घिरा हुआ था। बावजूद उसके बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की अगुवाई में भारत को मजबूत संविधान दिया, जिससे आज भी देश चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। इस दौरान मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब अमर रहे जैसे नारे भी लगाए। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता डॉ देवकृष्ण परसाई, परसुराम पाटीदार, कादर बेग, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पूर्णा ठाकुर, नितेश आढ़तीया, विजय कोचले, आदि मौजूद थे।

पत्रकार परमार बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष

खरगोन, निप्र। पत्रकार रविन्द्र परमार को पत्रकारों के हित संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित संगठन राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक देवेन्द्र कुमार मिश्रा, संरक्षक एपी सिंह सुप्रीम कोर्ट महाधिवक्ता, प्रदेश अध्यक्ष अमित द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित जैन, प्रदेश महासचिव भरत भूषण विश्वकर्मा ने की है। परमार की नियुक्ति पर जिले भर के पत्रकारों में खुशी जताते हुए उन्हें बधाई संदेश प्रेषित की हैं। अपनी नियुक्ति पर परमार ने कहा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। जल्दी ही संगठन का विस्तार कर कार्यकारिणी गठित कर संगठन को मजबूती देने का प्रयास करेंगे। पत्रकारों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा के लिए भी सभी से सामूहिक रूप से चर्चा की जाएगी।

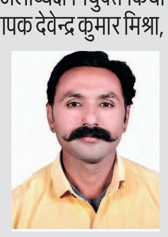

आप अपने पूर्वजों से जुड़ें, आपकी जड़ें सनातन से जुड़ीं

नवभारत न्यूज

मंडलेश्वर। अनुसूचित जाति जन जाति समाज सनातन का महत्वपूर्ण हिस्सा है रामायण काल से अगर हम अपनी उपस्थिति को माने तो राम जी को वनवास में साथ देने वाले कौन थे निषादराज माता शबरी और वनों में रहने वाले नर जिन्हें वानर कहा गया वो हमारे पूर्वज ही है।उनके बिना नहीं राम का वनवास काल पूरा हो सकता था नहीं लंका विजय रामायण काल में भी हमारा महत्व था तुलसीदास ने हनुमान जी के लिए सबसे पहले हरिजन शब्द का उपयोग किया था।यह प्रेरक उदगार अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार ने महासंघ द्वारा ग्राम ठनगांव के समराज फाटे पर बाबा साहब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। परमार ने समाज जन का आव्हान किया कि वे सनातन समाज के अन्य वर्गों के साथ द्वेष भाव से नहीं रहे उनके साथ बदले की भावना से काम नहीं करे।यह कड़वा सच है कि आज भी कई क्षेत्र ऐसे है जहां समाज उपेक्षित है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि हम समाज के अन्य वर्ग के साथ विवाद करें।आज समय है

बदलाव का समय के साथ साथ बदलाव आता है क्योंकि परिवर्तन प्रकृति का नियम है आज समाज में कितना बदलाव आया है हमने बुराइयों को छोड़ा है समाज ने सती प्रथा को छोड़ा बाल विवाह गया दहेज प्रथा अब समाप्ति पर है हमने धोती पहनना छोड़ी अब जींस पेंट पहनते है ।तो समाज से छुआ छूत भेद भाव भी समय के साथ समाप्त हो जाएगी ।बाबा साहब ने असमानता भेदभाव छुआछूत के खिलाफ वैचारिक आंदोलन चलाया तलवार नहीं उठाई हम भी अपने विचारों से लोगों को झुका कर बुराइयां समाप्त करेंगे ।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सनातन को तोड़ने वाली शक्तियों को आड़े हाथ लिया और कहा कि आजादी के पहले बाबा साहब ने अपने भाइयों के लिए अलग देश नहीं मांगा था जबकि मुस्लिमों ने अलग देश मांग लिया था क्योंकि हमें अपने देश से प्यार था ।कुछ ताकते धर्म के नाम पर इस देश को तोड़ना चाहती है ।बाबा साहब या भगवान परशुराम महाराणा प्रताप ये किसी जाति विशेष के नहीं है ये हम सब के है ।भाजपा नेता दिनेश साहनी ने कहा हम आजादी के पहले भी गुलाम थे और आज भी गुलाम ही है ।हमारे जनप्रतिनिधि हमारी बात नहीं सुनते है। वहीं महंत सीताराम मकवाने ने कहा कि छुआछूत सनातन समाज का हिस्सा नहीं था प्राचीन काल में ऐसा कुछ नहीं था संत रामानुजाचार्य के गुरु एक अनुसूचित जाति के संत थे ।आज हमारे प्रतिनिधि हमारी बात सुन रहे है आप पहले उनके पास समस्या लेकर तो जाओ अगर समाज हित में कोई काम चाहिए तो वो होता है ।ट्रांसफर करवाना या रुकवाना कोई सामाजिक समस्या नहीं है। इस अवसर पर समाज के कई दिग्गज उपस्थित थे ।इससे पहले मनोज परमार द्वारा मंडलेश्वर स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के श्रद्धांजलि दी ।अतिथियों का स्वागत रविन्द्र खांडेकर ने किया।

भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर सदियों तक अमर रहेंगे

बड़वाह, निप्र। भारतीय संविधान के निर्माता युग पुरुष भारतरत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी के 69वे महापरिनिर्वाण दिवस सामाजिक विचार मंच (म.प्र.) द्वारा डॉ.बाबा साहेब अम्बेडकर जी की प्रतिमा स्थल बस स्टैंड पर प्रात:10 बजे मनाया गया ।कार्यक्रम संयोजक डॉ.एन.एस.सोलंकी ने अपने उदबोदन मे कहा की भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर 6दिसम्बर 1956 को दुनिया छोड़ चले गए। उन्होंने संविधान के माध्यम से समाज के हर वर्ग को उचित न्याय दिलवाने मे अहम भूमिका निभाई ।देश मे उन्हें सदियों तक याद किया जाता जायेगा। कार्यक्रम मे बीआर सांवले,टीसी गोखले,दिनेश मंशारे,सुनील चावले,टीआर कुंडले,सतविन्दर भाटिया, रघुनाथ खेड़ेकर ने भी विचार रखते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता गुरुचरण भाटिया,महेश रंन्सोरे,रामेश्वर कडोले,पीएल भालसे,संदीप सांवले,विजय वर्मा,राजा सोलंकी सहित भीम अनुयाई मौजूद थे ।कार्यक्रम के आखिर मे दो मिनट का मोन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की मौजूद थे ।कार्यक्रम का संचालन डॉ.एन.एस.सोलंकी ने किया व आभार जयभीम बचत संस्था के अध्यक्ष पीएन कांदौड़े ने माना ने किया।

नगर परिषद प्रांगण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई

कसरावद, निप्र। परिनिर्माण दिवस 6 दिसंबर को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया गया यह दिन उनके योगदान और संघर्षों को स्मरण करने का अवसर है डॉ अंबेडकर ने दलितों, शोषितों और समाज के वंचित वर्गो के उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया वह भारतीय संविधान के निर्माता समाज सुधारक और प्रेरणादायक नेता को आज महापरिनिर्वाण दिवस पर हम केवल श्रद्धांजलि नहीं दे रहे हैं बल्कि यह संकल्प ले रहे हैं कि जाति के नाम पर भेदभाव नहीं और जाति के नाम पर दूरी नहीं बाबा साहब की शिक्षाएं आज भी उतनी जीवंत है। शिक्षा, संघर्ष और संगठन का मंत्र है हमें आगे बढ़ाने की शक्ति देता है इस अवसर पर बाबा साहब के अनुयायियों के द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर नील का तिलक एवं पुष्प मालाए अर्पित की इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय में भी बाबासाहेब को याद किया नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह यादव वरिष्ठ समाजसेवी अजय मंडलोई डॉक्टर शिरीष जायसवाल देवदत्त एक्कल विनोद नामदेव ने भी बाबा साहब को पुष्पमाला अर्पित की।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर एबीवीपी ने दी श्रद्धांजलि

खरगोन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया। कॉलेज परिसर स्थित प्रतिमा पर कॉलेज प्राचार्य जी.एस. चौहान एवं अभाविप विभाग संयोजक निर्मल चौहान ने माल्यार्पण कर बाबा साहेब को नमन किया। प्राचार्य डॉ ने बाबा साहेब के संघर्षों और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अंबेडकर का विचार ही आधुनिक भारत की ऊर्जा है, और विद्यार्थी ही उस ऊर्जा के वास्तविक वाहक हैं। अभाविप के चौहान ने बाबा साहेब के विचारों को सरल और प्रेरक रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है, जब युवा वर्ग शिक्षा, समानता और एकता के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़े। उन्होंने विद्यार्थियों से जातिवाद, भेदभाव और नकारात्मक सोच को छोड़कर समाज में भाईचारा, सामाजिक समरसता और रचनात्मक नेतृत्व स्थापित करने का आव्हान किया। उन्होंने बाबा साहेब के संघर्षों और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अंबेडकर का विचार ही आधुनिक भारत की ऊर्जा है, और विद्यार्थी ही उस ऊर्जा के वास्तविक वाहक हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने भी एक स्वर में एकता, सेवा और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प लिए। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रोफ़ेसर डॉ ललित भटानिया, डॉ सावित्री भगोरिया, अभाविप नगर मंत्री अर्जुन सावले, नंदनी पाटीदार, सचिन, अनुराग, ललित , रोहन सहित कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'प्रयोगशाला में खतरनाक रसायनों के प्रयोग पर हुआ व्याख्यान'

बड़वाह, निप्र। जवाहरलाल नेहरू शासकीय स्नातक महाविद्यालय बड़वाह, जिला खरगोन में दिनांक 06 दिसम्बर 2025 को विज्ञान संकाय द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक विशेष सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था 'प्रयोगशाला में खतरनाक रसायनों के प्रयोग के बचाव ', जो आज के समय में विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक और उपयोगी है यह कार्यक्रम संस्था प्रमुख डॉ. मंगला ठाकुर के दिशा निर्देशानुसार हुआ और कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के रसायन विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश औचट द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में उपयोग होने वाले विभिन्न रसायनों के जोखिम, उनसे होने वाली संभावित हानियां तथा उनसे बचाव के व्यावहारिक और वैज्ञानिक उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मीनल श्रीवास्तव (होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर) ने खतरनाक रसायनों की पहचान, वर्गीकरण एवं सुरक्षित हैंडलिंग पर अत्यंत प्रभावी और विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की ।मुख्य वक्ता ने आधुनिक प्रयोगशालाओं में उपयोग होने वाले विषैले, विस्फोटक, ज्वलनशील और संक्षारक रसायनों के जोखिमों

के साथ-साथ विद्यार्थियों का ध्यान उन रसायनों की ओर भी आकर्षित किया जो दैनिक जीवन में सामान्य रूप से उपयोग किए जाते हैं, जैसे— ब्लीचिंग पाउडर, कीटनाशक, पेंट थिनर, बैटरी ऐसिड, डिटर्जेंट, अमोनिया, तथा घरों में प्रयुक्त विभिन्न क्लीनिंग एजेंट। उन्होंने बताया कि इन सामान्य रसायनों का गलत उपयोग, अनुचित मिश्रण या अत्यधिक संपर्क भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर सकता है ।डॉ. मीनल श्रीवास्तव ने विशेष रूप से कार्सिनोजेनिक (कैंसरजनक) रसायनों—जैसे बेंजीन, फॉर्मेल्डिहाइड, नाइट्रो-अरोमैटिक यौगिक, कुछ डाई-केमिकल्स और औद्योगिक धुएं में पाए जाने वाले तत्वों—का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ऐसे रसायनों के दीर्घकालिक संपर्क से कोशिकाओं में परिवर्तन होकर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए इनका उपयोग अत्यधिक सतर्कता और सुरक्षा उपकरणों के साथ किया जाना आवश्यक है। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को साइनाइड और जुड़ी किसी भी दुर्घटना में त्वरित प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय सहायता अत्यंत महत्वपूर्ण है ।व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि किसी भी प्रयोग से पहले रसायनों के लेबल पढ़ना, उनके गुणधर्मों को समझना और ऐपरिन, दस्ताने, गॉगल्स, मास्क जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करना आवश्यक है। रसायनों के सुरक्षित भंडारण, मिश्रण, ताप-परिवर्तन और दाब-परिवर्तन प्रक्रियाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. मीनल श्रीवास्तव ने अपने उदाहरणों से बताया कि छोटी-सी असावधानी—जैसे एसिड को गलत क्रम में मिलाना, ज्वलनशील द्रवों को खुली आग के समीप रखना, या विषैले धुएँ से बचाव हेतु फ्यूम हुड का उपयोग न करना—गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। उन्होंने सुरक्षित निपटान और प्राथमिक उपचार की विधियों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने विभिन्न जिज्ञासाऐं रखीं, जिनका समाधान मुख्य वक्ता द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना एवं प्रयोगशाला सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं।

श्री तेजाजी महाराज के जीवन एवं शिक्षाओं को मध्य प्रदेश के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए

बड़वाह निप्र। जाट समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा सामाजिक एकता और संगठित शक्ति का परिचय देते हुए, काटकूट से सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री प्रहलाद जी चोटिया के प्रयासों से एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जी से सौजन्य भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील जी ठींगला, अखिल भारतीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री विलास जी पटेल, राष्ट्रीय तेजवीर सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्री ईश्वर जी पटेल, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती अजोध्या जी गोदारा, राष्ट्रीय जाट महासभा भोपाल अध्यक्ष श्री हरीकिशन जी डागर, वरिष्ठ समाजसेवक श्री मोहनलाल जी गोदारा, राष्ट्रीय जाट महासभा भोपाल के श्री विवेक कुमार तोमर, तथा जाट समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी। प्रतिनिधिमंडल ने सर्व हिन्दू समाज के लोकदेवता श्री सत्य वीर तेजाजी महाराज की आकृति शिक्षा मंत्री जी को भेंट कर उनके जीवन में सत्य, गौ-रक्षा, महिला संरक्षण तथा मुकप्राणी प्रेम जैसे दिव्य संदेशों के महत्व को विस्तार से अवगत कराया। साथ ही, राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के पत्र के माध्यम से आग्रह किया गया कि श्री तेजाजी महाराज के जीवन एवं शिक्षाओं को मध्य प्रदेश के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए एवं निर्वाण दिवस पर शासकीय अवकाश घोषित किया जाए। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी ने विषय की संवेदनशीलता व महत्व को समझते हुए संपूर्ण समाज को आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही केंद्रीय मंत्री जी से चर्चा कर इसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएंगे।

एक नजर में

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दिए आवश्यक निर्देश

गणना चरण के शेष दिवसों में किया जाएगा पुनरीक्षण कार्य का पुनर्सत्यापन

खरगोन, निप्र। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मंगलवार 9 दिसंबर तक प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर और बीएलए की बैठक अनिवार्यत: आयोजित की जाए जिसमें मतदाताओं की उपस्थिति में स्ष्ठक्र सूची का वाचन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बैठक के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए और कार्यवाही विवरण तथा बैठक के फोटो और वीडियो जिले की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं, जिससे बाद में प्रारूप मतदाता सूची पर न्यूनतम आपत्तियां दर्ज हो। उन्होंने निर्देश दिए कि गणना चरण के शेष दिवसों में प्रत्येक मतदान केन्द्र के असंग्रहित गणना पत्रकों की समीक्षा की जाए, विशेषकर जन्म और मृत्यु रजिस्टर से मृत्य व्यक्तियों का सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं का भी भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर तक यदि कोई मतदाता मृत हो जाता है अथवा बाहर से वापस आ जाता है तो मतदाता सूची तदनुसार अपडेट की जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वितरित गणना पत्रक वापस प्राप्त कर बीएलओ द्वारा स्पष्ट रूप से मृत, अनुपस्थित, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अन्य कारण का उल्लेख किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्री, फोटोग्राफिक सिमिलर एंट्री और आधार डबल एंट्री की सॉफ्टवेयर आधारित जांच चलाई जाएगी। उन्होंने ईआरओ को निर्देश दिए कि गलत मैपिंग और मतदाता सूची की विसंगतियों का ईआरओ लॉगिन से सत्यापन किया जाए। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत नए मतदान केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिसके लिए नए बीएलओ चिन्हांकित कर प्रशिक्षित किए जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने कहा कि नोटिस चरण में ईआरओ और एईआरओ द्वारा एक दिन में 50 से अधिक नोटिस पर सुनवाई नहीं की जाएगी। अत: अतिरिक्त एईआरओ अधिसूचित करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत नोटिस का निराकरण किया जाएगा, इसलिए समस्त ईआरओ इन प्रावधानों से भली भांति परिचित रहें। कांफ्रेंस में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रताप कुमार आगस्या, ईआरओ श्री सत्येंद्र बैरवा, श्री सत्यनारायण दर्रो, श्री अनिल जैन, सुश्री आकांक्षा अग्रवाल और सुश्री पूर्वा मंडलोई, एईआरओ श्री महेंद्र सिंह दांगी और मास्टर ट्रेनर श्री अमित शर्मा सम्मिलित हुए। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री रामकुमार जादौन भी उपस्थित थे।